संभावना गतिविधि में पंजाबी लोक गायन, गोण्ड जनजातीय सैला, बुन्देली बधाई नृत्य की प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 19 जनवरी, 2025 को सुश्री सुमन परस्ते एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय सैला नृत्य, दीपेश पाण्डेय एवं साथी, सागर द्वारा बुन्देली बधाई नृत्य एवं पंजाबी लोक गायक स्वर्गीय प्यारे लाल वडाली के पुत्र सतपाल वडाली एवं साथी, अमृतसर द्वारा पंजाबी लोक गायन की प्रस्तुति दी गई।

गतिविधि की शुरूआत सतपाल वडाली एवं साथी, अमृतसर द्वारा पंजाबी लोक गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने तुझे देखा तो लगा मुझे ऐसे की जैसे मेरी ईद हो गई, तू माने या न माने दिलदारा, लगन लागी तुम से मन की, हल का हलका खुमार है, दमा दम मस्त कलंदर, जैसे कई पंजाबी गीतों की प्रस्तुति दी। इसके बाद सुश्री सुमन परस्ते एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय सैला नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सुदूर छत्तीसगढ़ से लगाकर मंडला के गोंड और बैगा जनजातियों तक इसका विस्तार मिलता है। सैला नृत्य शरद ऋतु की चाँदनी रातों में किया जाता है। हाथों में लगभग सवा हाथ के डंडे के कारण इसका नाम सैला पड़ा। आदिदेव को प्रसन्न करने के लिए सैला नृत्य का प्रचलन है। कहते हैं सरगुजा की रानी से अप्रसन्न होकर आदिदेव बधेसुर अमरकंटक चले गये थे, वहाँ के बाँसों को काटकर इस नृत्य का प्रचलन हुआ। करमा-सैला गोंड जनजाति का लोकप्रिय नृत्य है।

अगले क्रम में श्री दीपेश पाण्डेय एवं साथी, सागर द्वारा बुन्देली बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल में जन्म विवाह और तीज-त्यौहारों पर बधाई नृत्य किया जाता है। मनौती पूरी हो जाने पर देवी-देवताओं के द्वार पर बधाई नृत्य होता है। इस नृत्य में स्त्रियाँ और पुरुष दोनों ही उमंग से भरकर नृत्य करते हैं। बूढ़ी स्त्रियाँ कुटुम्ब में नाती-पोतों के जन्म पर अपने वंश की वृद्धि के हर्ष से भरकर घर के आंगन में बधाई नाचने लगते हैं। बधाई के नर्तक, चेहरे के उल्लास, पद संचालन, देह की लचक और रंगारंग वेशभूषा से दर्शकों का मन मोह लेते हैं। इस नृत्य में ढपला, टिमकी, रमतूला और बांसुरी आदि वाद्य प्रयुक्त होते हैं। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रति रविवार आयोजित होने वाली इस गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा।

गहोई दिवस निकली भगवान सूर्यदेव की शोभायात्रा

भोपाल। गहोई वैश्य समाज पंचायत द्वारा अपने आराध्य भगवान सूर्यदेव के पर्व मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में रविवार को गहोई दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूर्यदेव की शोभायात्रा निकाली गई। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूरे करने वाले स्वजातीय बन्धुओं का सम्मान किया गया।

शोभायात्रा सुबह 10 बजे समाज की जुमेराती स्थित धर्मशाला से शुरू हुई, जो सिंधी मार्केट, भवानी चौक, मोती मस्जिद, रेतघाट, कमला पार्क, पोलोटेक्निक चौराहा होते हुए हिंदी भवन पहुचीं।

यहां भगवान सूर्यदेव की पूजा आराधना की गई। इस अवसर पर वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूरे करने वाले दम्पत्तियों को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज की महिलाओं और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अकर्षक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम मे समाज के अध्यक्ष रमेशचंद्र लोहिया, अमरचंद कठल, तरुण कुचिया, दीपक सावला, महेश बहरे, राकेश सुहाने, भगवानदास गुप्ता, कुबेरचन्द्र रेजा, प्रकाशचंद्र कुचिया, राकेश कनकने, वरुण गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, अखिल रेजा, महेश सरावगी, मनोज गन्धी अशोक सेठ, रिक्की कुदरिया, नवयुवक मंडल अध्यक्ष रोहित नोगरिया, महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना पिपरसानियां स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या मे शामिल हुए।

देशभक्ति केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है : डॉ. नुसरत

अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई की देशभक्ति गोष्ठी संपन्न

भोपाल। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई द्वारा आयोजित देशभक्ति गोष्ठी में देशभक्ति और साहित्यिक संवेदनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद की भोपाल इकाई की अध्यक्ष एवं उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने की। अपने उद्बोधन में डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि देशभक्ति सीमित शब्द नहीं है। इसका दायरा असीम है। यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं, तो वह भी देशभक्ति है। प्रत्येक युग की अपनी आवश्यकताएँ होती हैं और उन ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करना भी देशभक्ति है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अभा साहित्य परिषद के संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ गीतकार डॉ. राजेंद्र शर्मा अक्षर ने कहा कि हमारी संस्था नई पीढ़ी को साहित्य के माध्यम से संस्कारित करने का कार्य कर रही है। हम गीत और गद्य लेखन की बारीकियों को सिखाकर नई प्रतिभाओं को जोड़ने का प्रयास करते हैं।

चाहे जितनी मुश्किल आए, चाहे जितना गम, पूरब-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, एक रहेंगे हम। राजेश विश्वकर्मा और मांडवी सिंह ने पर्यावरण और भाईचारे पर आधारित रचनाओं का पाठ किया। गोष्ठी के प्रारंभ में खुशी विजयवर्गीय द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। परिषद गीत मांडवी सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन युवा कवि राजुल द्वारा किया और आभार प्रदर्शन परिषद के कर्मठ कार्यकर्ता राजेश विश्वकर्मा ने किया।

ईश्वर की प्राप्ति हमारे सद्कर्मों और सकारात्मक विचारों से संभव

नागदा । ईश्वर की प्राप्ति हमारे सद्कर्मों और सकारात्मक विचारों से ही संभव है। इसके लिए स्व प्रेरणा से प्रयास हमें स्वयं करना चाहिए।

यह बात ग्रेसिम खेल परिसर के सद्भाव संगम के छठे समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आध्यात्मिक प्रणेता श्रीमती सुमन सिंह ने उपस्थित महिलाओं और युवतियों को संबोधित करते हुए कही। श्रीमती सिंह ने कहा कि सृजन की शुरुआत स्वयं से होती है तभी सृष्टि में नव सृजन होता हैं इसलिए स्वयं में परिवर्तन ही बहुत जरूरी है। उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी कमल सेठी ने बताया कि श्रमिकों के परिवार से जुड़ी महिलाओं और संस्थान में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए आयोजित इस समारोह का प्रतिमाह आयोजन कर अतिथियों के माध्यम से विचारों का आदान प्रदान किया जाता हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेल परिसर से जुड़ी महिला सदस्यों ने अतिथि श्रीमती सिंह के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला सदस्यों ने श्रीमती सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता की विजेता सुनीता कदम ,जयश्री पांचाल ,कृष्णा परमार , सुवर्णा अढ़ाव , अंजलि कंडारी ,सपना परिहार , मंजू त्रिपाठी ,ज्योति पटेल , शिखा चौहान ,सुमन राठौर ,योगिता शर्मा , पायल राठौर, श्रीमती सीमा शर्मा, गीता कदम , किरण त्रिपाठी ,रीना रघुवंशी, मनीषा क्षिरे, प्रीति चंद्रावत को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

न्यायालय तहसीलदार नजूल वृत्त एमपी नगर भोपाल मध्यप्रदेश
(07 नंबर बस स्टॉप, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास, शिवाजी नगर भोपाल)
इश्तहार
ग्राम-बरखेड़ा पठानी प्रकरण क्रमांक 2051/अ-6/2024-25
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित भूमि के नामांतरण कार्यवाही स्तम्भ 4 में अंकित के स्थान पर स्तम्भ 5 में अंकित व्यक्ति के नाम की जा रही है। अतः उक्त नामांतरण में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वयं किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हो तथा नामांतरण में कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। वसीयतग्रहिता मोहर बाई पत्नी स्व. श्री राम सिंह मीणा, वसीयतकर्ता श्रीमती गिरजा बाई पिता स्व. श्री राम सिंह। **भूमि का विवरण**-स. क्र.-1. पटवारी हल्का क्रमांक/सेक्टर क्रमांक-बरखेडा पठानी, ग्राम नगरीय क्षेत्र नाम-बरखेडा पठानी, सर्वेक्षण संख्यांक/ब्लॉक संख्यांक/भू-खण्ड संख्यांक-271/2, 273/ख, 274/ख, 275/ख, 276/ख, 277/ख, 278/ख, 279/ख, 306/ख, 3 क्षेत्रफल हेक्टेयर/वर्ग मीटर में 2.5410 हेक्टेयर, नामांतरण हेतु भूमि का क्षेत्रफल 0.6352 हेक्ट.। नियत दिनांक 27/1/25 के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक.... को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आधीन जारी किया गया।
3273 **तहसीलदार नजूल वृत्त एम.पी. नगर भोपाल**

सूडोकु नवताल- 7310

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7309 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

काकुरो पहेली - 6989

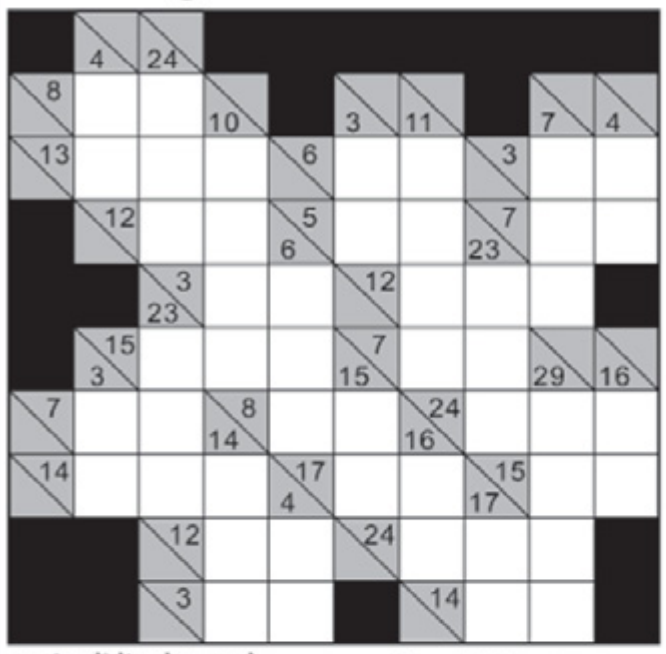

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

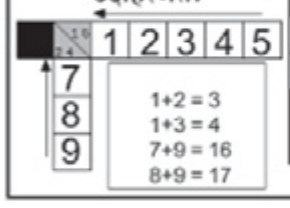

काकुरो - 6988 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8377

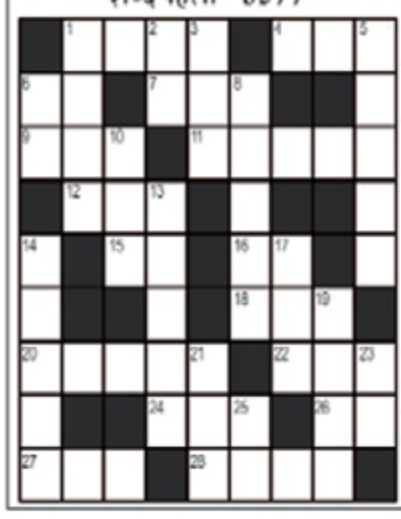

बाएँ से दाएँ
1. अपेक्षा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. बालक (ओजो-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. पूरी आयत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवभाषा, देववाणी-3
20. शिकायत करना-5
22. रात्रिवास-3
24. बेकार, आवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे
1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाच खेना-2,3
10. पासे फेंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -8376 का हल

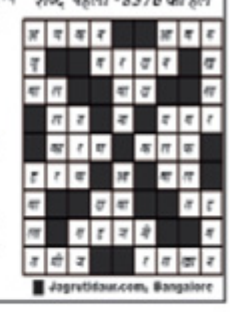

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6807

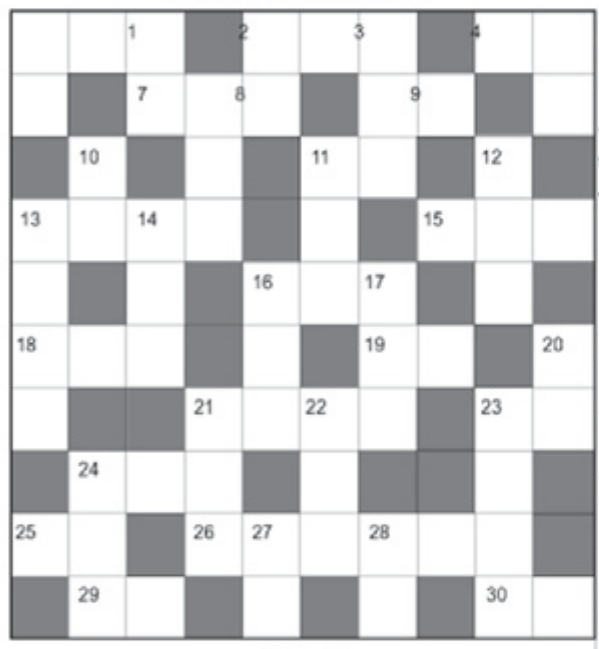

ऊपर से नीचे:-
१. जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख की फिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, विपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-
१. मनोजकुमार, हेमा की 'वाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भाषा, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठें पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेरॉय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6806

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6916

			6		7	
4	33	4	40	7	31	2
	2		3	5		
1	29	3	37	6	35	5
		7	4		5	
6	30	2	24	1	30	3
	6		4			

प्रस्तुत खेल सुडोकु व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6915 का हल

3	5	7	4	2	1	6
1	30	2	37	6	31	3
5	1	6	3	7	2	4
6	37	3	34	1	25	5
4	7	5	6	3	2	1
7	33	4	32	4	30	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7916

दा	क	जं	व	ग	द	रि	या	दि	ल	क		
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली		
गि	स	र्म	ल	बा	छ	पु	रा	रा	क	क		
री	ज	क	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क		
क	खु	दो	आं	आं	लं	का	म	ग	व	क		
जी	द	ल	प	य	खें	पू	ना	ण	र	को		
ती	ग	ई	लि	या	प	बा	श	र	ला	ल		
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	व	क	र	लो	श	पा		
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	त्या	री	ह	प	क		
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	वें	हा	त		
क	दु	ल्हे	रा	जा	न	रा	बा	द	प	थ		

शब्द जाल में गोविंदा की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

ईल्जाम, दादागिरी, जंगबाज, ताकतवर, हत्या, दरियादिल, खुदगर्ज, हम, दो आंखें बारह हाथ, दुल्हे राजा

शब्दजाल - 7915 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore